>

Title: Alleged injustice meted out to the junior players in World Rifle Shooting Championship in Germany.

श्रीमती सुमित्रा महाजन (इन्दौर): माननीय अध्यक्ष महोदया, अभी कुछ ही दिन पहले इस सदन में तेजस्विनी को जर्मनी में हुई वर्ल्ड चैम्पियनशिप में गोल्ड मैडल लाने के लिए हम सब ने मिलकर आपके द्वारा बधाई दी। मैं उसी दिन बोलना चाहती थी, मगर आनन्द के क्षण में मैं नहीं बोली।

तेजस्विनी को तो गोल्ड मैडल मिल गया। हमारे बच्चे अपनी तरफ से तो मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मैं एक बात सामने लाना चाहूंगी कि हमारे यहां मंत्रालय के द्वारा जो निशानेबाजी के लिए वरिष्ठ और कनिष्ठ, सीनियर और जूनियर, जो पूरे बच्चे जाने थे, उसमें 50 बच्चों के नाम मांगे गये थे और नेशनल रायफल एसोसिएशन को यह कहा गया था कि हम 50 बच्चों को इसमें भेजेंगे। उन 50 बच्चों के नाम एसोसिएशन के द्वारा भेजे भी गये थे। जर्मनी जाने के तीन दिन पहले, अध्यक्ष महोदया, आप देखो, बच्चे इतनी मेहनत करते हैं, लेकिन यह कहा गया कि हम 15 जूनियर खिलाड़ियों को नहीं भेज सकेंगे, हमारे पास बजट नहीं है। उसमें ज्यादा से ज्यादा 30-35 लाख रुपये लगने थे। यहां अभी जिस तरह से ओलम्पिक की बात हो रही है और उसमें करोड़ों रुपये इधर-उधर जा रहे हैं, मगर इन बच्चों को तीन दिन पहले कहा गया कि हमारे पास बजट नहीं है, अगर आपको जाना हो तो आप अपने खर्चे से जाना। ये जो जूनियर बच्चे हैं, यदि वास्तव में देखा जाये तो ये कल का गोल्ड मैडल हैं। वैसे ही ये जो शूटिंग की स्पर्धाएं हैं, ये बहुत महंगी रहती हैं। उनका जो पहले एम्युनीशन लगता है, सब माता-पिता वह खर्च करते हैं। मैं एक और बात सामने लाना चाहूंगी कि इन्हीं बच्चों में सीनियर गगन नाम के लड़के को पिस्तौल में ब्रोंज मैडल भी मिला है।

लेकिन आज भी इनको पिस्तौल में कोच एवलेबल नहीं है। इन्हें यह कहा जाता है कि आप अपने खर्च से कोच रख लीजिए। एक तरफ जहां इतने ज्यादा धन का दुरूपयोग हो रहा है, मैं चाहूंगी कि मंत्रालय इस पर ध्यान दे कि इस तरह से जूनियन बच्चों के साथ जो अन्याय हुआ है, उनको एम्युनिशन तो मिलते नहीं हैं, कोच भी ढंग से नहीं मिलते हैं। कहीं न कहीं मंत्रालय को इन बातों में दखल देना चाहिए। हमारे ऐसे बच्चे, उनमें तेजस्वनी ने तो गोल्ड मेडल लाकर दिखाया है, जो ऐसे होनहार बच्चे हैं, इन होनहार बच्चों को जाने से तीन दिन पहले ही ऐसा कहने से डीमोरलाइजेशन होता है, इसको रोकने की दृष्टि से मंत्रालय आगे इन बातों का ध्यान दे। अभी भी उन 15 बच्चों को हम पैसा दे सकें, जो अपने खर्च पर वहां गए हैं, उनके लिए व्यवस्था की जाए। महोदया, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को यह बात पहुंचाना चाहती हूं।

अध्यक्ष महोदया : श्री रामसिंह राठवा,

श्री वीरेन्द्र कुमार,

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल,

श्रीमती दर्शना जरदोश और

श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी अपने आपको श्रीमती सुमित्रा महाजन के विषय के साथ संबद्ध करते हैं।